Q. 14. टेलर के वैज्ञानिक प्रबंध के सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
Explain in brief the principles of Scientific management of Taylor.

Ans. वैज्ञानिक प्रबंध की योजना को सफल बनाने के लिए टेलर ने वैज्ञानिक प्रबंध के निम्न सिद्धांतों का प्रतिपादन किया है —

1. विज्ञान, न कि अंगूठा का नियम
Science, not Rule of Thumb —
इस सिद्धांत के अनुसार वैज्ञानिक प्रबंध में प्रत्येक कार्य वैज्ञानिक एवं तर्कपूर्ण विधियों के आधार पर किया जाता है और अंगूठा नियम का बहिष्कार किया जाता है। इसके अन्तर्गत विद्यमान परम्परागत तथा रूढ़िवादी पद्धतियों का परीक्षण किया जाता है और यदि वे विज्ञान के कसौटी पर सही उतरती है तो उनका उपयोग किया जाता है अन्यथा उनको समाप्त करके उनके स्थान पर नयी विधियों को विकसित किया जाता है।

2. मैत्री, न कि मतभेद - Harmony, not discard —
वैज्ञानिक प्रबंध का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत यह है कि इसके अन्तर्गत संस्था के विभिन्न स्तरों पर पायी जाने वाली असंगतियों अर्थात् मेल न खाने वाली या प्रतिकूल स्थितियों को समाप्त करके उन्हें अनुकूल बनाया जाता है। टेलर असंगतियों के दूर करने के प्रबल समर्थक थे।

3. सहयोग, न कि व्यक्तिवाद
Co-operation, not individualism -
इस सिद्धांत के अन्तर्गत व्यक्तिवाद के स्थान पर सहयोग की भावना

को प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। यह सहयोग न केवल कर्मचारियों में आपस में ही बल्कि कर्मचारियों एवं मालिकों में भी होना चाहिए। टेलर ने कर्मचारियों एवं मालिकों के बीच सहयोग स्थापित करने के लिए मानसिक क्रांति (Mental Revolution) की आवश्यकता पर बल दिया है। टेलर के अनुसार श्रम तथा पूँजी के घनिष्ठ सम्पर्क एवं सहयोगपूर्ण व्यवहार से ही वैज्ञानिक प्रबंध की योजना सफल हो सकती है।

4. सीमित के स्थान पर अधिकतम उत्पादन —
Maximum output in place of Restricted Output —

वैज्ञानिक प्रबंध का यह सिद्धांत अधिकतम उत्पादन पर बल देता है। यह सीमित उत्पादन की विचारधारा का विरोधी है। टेलर के अनुसार जितना अधिक उत्पादन होगा, उतना ही अधिक लाभ होगा और यह श्रमिक एवं मालिक दोनों के लिए लाभदायक होगा। अतः उनके बीच का विवाद स्वतः समाप्त हो जायेगा।

5. प्रत्येक व्यक्ति का चरम कुशलता एवं सम्पन्नता तक विकास
The Development of each man to his Greatest Efficiency and Prosperity —

वैज्ञानिक प्रबंध में प्रत्येक व्यक्ति को उसकी अधिकतम कुशलता एवं सम्पन्नता तक पहुँचाने का प्रयास किया जाता है। इस दृष्टि से श्रमिकों की भर्ती वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर की जाती है। इसके बाद उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही योग्यता के आधार पर उन्हें कार्य सौंपा जाता है। इस कारण श्रमिकों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

6. नियोजन, न कि तदर्थवाद
Planning, not Adhocism-
वैज्ञानिक प्रबंध के इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक उपक्रम कार्य मनमाने ढंग से न करके निश्चित योजनाओं, कार्यक्रमों तथा नियमों के आधार पर किया और कराया जाता है।

Q.15 वैज्ञानिक प्रबंध के लाभ बताइए।
What are the Advantages of Scientific Management.

Ans. उत्पादकों को लाभ - Advantages to Producer
1. उत्पादन व्यय में कमी
2. वस्तु की किस्म में सुधार
3. श्रम - पूंजी के झगड़ों का अन्त
4. श्रमिकों से अधिकतम काम लेना संभव
5. श्रम - विभाजन के लाभ
6. अपव्यय की समाप्ति
7. पूर्ण नियंत्रण

श्रमिकों को लाभ - Advantages to Worker's
1. वेतन में वृद्धि
2. स्वास्थ्यप्रद एवं शान्तिपूर्ण वातावरण
3. कार्यक्षमता में वृद्धि
4. समय की बचत
5. उच्च जीवन - स्तर
6. कार्य का युक्तिपूर्ण वितरण
7. औद्योगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था
8. मानसिक क्रांति

Date
Page No.

उपभोक्ताओं को लाभ - Advantages to Consumers (समाज या राष्ट्र

1. राष्ट्र की आय में वृद्धि
2. उपभोक्ताओं को लाभ -
3. पूर्ण औद्योगिक शान्ति
4. सामाजिक स्तर में वृद्धि

Q. 16. वैज्ञानिक प्रबंध का श्रमिकों द्वारा विरोध क्यों किया जाता है?
Why Labourers oppose Scientific Management?

Ans. 1. अधिक परिश्रम
2. प्रमापीकरण एवं विशिष्टीकरण का अभाव
3. कठोर नियंत्रण
4. वेतन का ह्रास (कम वेतन)
5. स्वतंत्रता का हनन
6. कार्य के प्रति रुचि का अभाव
7. शोषण का नया तरीका
8. श्रम-संघों का विरोध

Teacher's Signature.....